Ultrasound in Pregnancy

An ultrasound is a test that uses sound waves to look at your baby, the uterus and the placenta. You will be able to hear your baby's heartbeat and pictures will be seen on the screen. An ultrasound is not an x-ray and does not cause pain. This test takes about 20 minutes and will be done in your doctor's office or clinic.

An ultrasound is used to:
- Check the due date.
- Check the baby's growth and weight.
- See if there is more than one baby.
- Look for signs of birth defects. If it shows that there might be a birth defect, other tests will be done.
- Look for causes of bleeding or other problems.
- Check the baby's position late in pregnancy.

Although the baby's genital area may be seen, ultrasounds are not done to find the baby's sex. You will be asked if you want to know the sex of the baby if an ultrasound is done. Ultrasound does not always show the sex of a baby.

To Prepare

You may be asked to drink 1-2 glasses of water before the test so your bladder is full. If so, do not urinate until after the test.

During the Test

- You will lie on a table with your stomach uncovered.
- Warm gel is put on your skin. A wand is moved across the gel to take pictures.
- You will be able to see the pictures on the screen.
- The staff will talk to you about the pictures.

Talk to the staff if you have any questions or concerns.

6/2006. Developed through a partnership of The Ohio State University Medical Center, Mount Carmel Health and OhioHealth, Columbus, Ohio. Available for use as a public service without copyright restrictions at **www.healthinfotranslations.com**

गर्भावस्था के दौरान अल्ट्रासाउण्ड

अल्ट्रासाउण्ड एक ऐसा परीक्षण है जिसमें आपके बच्चे, गर्भाशय तथा नाल (प्लेसेंटा) की स्थिति जानने के लिए ध्वनितरंगों का प्रयोग किया जाता है। आप इसमें अपने बच्चे की हदय की धडकन सुन पायेंगी तथा पटल पर चित्र दिखेंगे। अल्ट्रासाउण्ड कोई एक्स–रे नहीं है तथा इसमें कोई दर्द नहीं होता। इस परीक्षण में लगभग 20 मिनट लगते हैं तथा यह आपके चिकित्सक के कार्यालय अथवा क्लीनिक में किया जाएगा।

अल्ट्रासाउण्ड का प्रयोग निम्नलिखित के लिए किया जाता है–

- नियत तिथि की जाँच।
- बच्चे के विकास तथा वजन की जाँचं।
- यह देखने हेतु कि क्या एक से अधिक बच्चे हैं।
- यह देखने हेतु कि क्या कोई जन्मगत दोष है। यदि जन्मगत दोष पाया जाता है तो अन्य परीक्षण किए जायेंगे।
- रक्त स्राव अथवा अन्य समस्याओं का कारण जानने हेतु।
- गर्भावस्था की परिपक्व स्थिति (बाद के महीनों) में बच्चे की स्थिति जानने के लिए।

यद्यपि बच्चे के यौन क्षेत्र देखे जा सकते हैं,अल्ट्रासाउण्ड बच्चे का लिंग जानने हेतु नहीं किए जाते। आपसे पूछा जाएगा कि क्या आप अल्ट्रासाउण्ड किये जाने पर बच्चे का लिंग जानना चाहेंगी? अल्ट्रासाउण्ड द्वारा हमेशा बच्चे के लिंग की जानकारी नहीं मिलती।

तैयारी हेतु

- परीक्षण से पूर्व आपसे 1–2 गिलास पानी पीने के लिए कहा जा सकता है जिससे आपका मूत्राषय भरा रहे। यदि ऐसा होता है तो परीक्षण से पूर्व पषाब न करें।

परीक्षण के दौरान–

- आप एक मेज पर लेट जाएंगी तथा आपका पेट खुला रहेगा।
- आपकी त्वचा पर एक गर्म जैल लगाया जाएगा। इस जैल के ऊपर से चित्र खींचने हेतु एक वैंड घुमाया जाएगा।
- आप पटल पर चित्र देख पाएँगी।
- स्टाफ आप से चित्र के बारे में बात करेगा।

यदि आपके मन में कोई प्रश्न अथवा चिंताए हों तो स्टाफ के सदस्यों से बात करें।

6/2006. Developed through a partnership of The Ohio State University Medical Center, Mount Carmel Health and OhioHealth, Columbus, Ohio. Available for use as a public service without copyright restrictions at **www.healthinfotranslations.com**.